बायो एथनॉल से चलाएं यूपी रोडवेज की सभी बसें : गडकरी

विज्ञान महोत्सव के समापन समारोह में बोले केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी रोडवेज की बसों को बायो एथनॉल से चलाना चाहिए। यहां की चीनी मिलों से इतना एथनॉल निकल सकता है कि यूपी की सभी बसें उससे चल सकती हैं। ये बातें सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कही। वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में चतुर्थ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, इससे प्रदेश में डीजल की समस्या का समाधान होगा। साथ ही किसानों को गन्ना मूल्य के भुगतान की समस्या भी हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी।

गडकरी ने कहा कि 118 बायोडायजेस्टर से गंगा की सफाई की जा रही है। इससे मिथेन और मिथेन से बायो सीएनजी बना रहे है। इस तरह निकली बायो सीएनजी से यूपी रोडवेज की दस हजार बसें चल सकती हैं। इससे प्रदूषण कम होगा व सरकार को आर्थिक रूप से भी फायदा होगा। उन्होंने कहा, देश में प्रति वर्ष 8000 लाख करोड़ का क्रूड ऑयल आयात होता है। इसने आर्थिक समस्या खड़ी कर दी है। इससे निपटने के लिए वैज्ञानिक व संस्थान इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करें। क्योंकि देश के विकास के लिए अनुसंधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी आवश्यक है।

कृषि, आदिवासी व वन क्षेत्र में अनुसंधान जरूरी : गडकरी ने कहा कि कृषि, आदिवासी और वन क्षेत्र में लगातार अनुसंधान आवश्यक है। इसके लिए अनुसंधान संस्थानों, राज्य सरकार और विश्वविद्यालयों की बीच समन्वय, संवाद और सहयोग जरूरी है। इसमें आईआईटी का सहयोग की आवश्यकता है। नए अनुसंधान और नवाचार हमारी लागत को कम करेंगे।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में सोमवार को चतुर्थ भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव के समापन समारोह में मौजूद केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा एवं अन्य।

बायोफ्यूल को लेकर नीति बना रही सरकार

गडकरी ने कहा कि देश में हर साल करीब 30 हजार करोड़ रुपये का विमान ईंधन आयात किया जाता है। इससे विमानन कंपनियां बेहद परेशान हैं। पिछले दिनों बायो फ्यूल से देहरादून से दिल्ली तक विमान उड़ाने का प्रयोग सफल रहा है। उन्होंने कहा, ग्रामीण व आदिवासी इलाकों में पर्याप्त मात्रा में रतनजोत, मोह, साल व करज उपलब्ध है, इससे विमान के लिए सस्ते ईंधन का निर्माण कर सकते हैं। सरकार आदिवासी व ग्रामीण क्षेत्रों में इससे 50 रुपये प्रति लीटर की दर से बायो फ्यूल बनाने की नीति बना रही है।

चौथे भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव ने रचा इतिहास

बता रहे हैं हमारे
सिटीजन जर्नलिस्ट
इंद्र सेन
स्थानीय निवासी

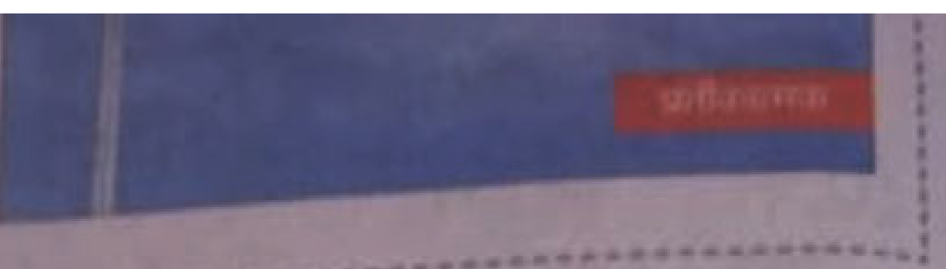

...व का अड़ंगा

...टी वैज्ञानिकों की ट्रेनें, हंगामा

...ी अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में भाग लेकर लौट रहे ...ों ने स्टेशन प्रशासन से शिकायत की, जिसके बाद ...े कई ट्रेनें निरस्त चल रही हैं, जबकि कइयों के रूट ...बिहार जाने वाली नीलांचल एक्सप्रेस (12875), ...जाब मेल (13005) और वाराणसी से देहरादून ...ी फीडिंग सोमवार को नेशनल ट्रेन इंक्वायरी ...टरी से शो कर रहा था। इन ट्रेनों से कई वैज्ञानिकों ...ग रेलवे स्टेशन पहुंचे तो उन्हें जानकारी मिली कि ...शबाग रेलवे स्टेशन प्रशासन को एनटीईएस की ...ने जैसे-तैसे उन वैज्ञानिकों को शांत कराया, ...वे मंगलवार को यात्रा करेंगे।

...से होगा ऐशबाग सीतापुर के ... ओएचई का काम

...। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के ऐशबाग ...ेशन से लेकर डालीगंज के बीच नॉन ...ंग का काम करीब पूरा हो गया है। इसके बाद ...क्टूबर से ऐशबाग से सीतापुर रेलमार्ग पर

हाईटेंशन लाइन (ओवर हेड इक्विपमेंट) का कार्य शुरू हो गया है। यह काम 14 अक्तूबर तक चलेगा। ओएचई के लिए दो ट्रेनों को लखनऊ से सीतापुर के बीच चलाया ...ीपीआरओ संजय यादव ने बताया कि ऐशबाग ...लमार्ग पर ओएचई को बदलने के दौरान ...12 अमृतसर दरभंगा एक्सप्रेस को नौ व दस ...को शाहजहांपुर सीतापुर कैंट बुढ़वल की जगह ... रूट शाहजहांपुर लखनऊ बुढ़वल के रास्ते ...जाएगा। जबकि दीपावली से पहले इस पूरे ...का नॉन इंटरलॉकिंग कार्य भी पूरा कर लिया ...क्शन खुलने पर लखनऊ से सीतापुर के बीच ... जाएगी। इस रूट पर तीस हजार से अधिक ...शन खुलने का इंतजार कर रहे हैं।

चलेंगी 100 अनुबंधित बिजली की सिटी बसें

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। शहर में टाटा मोटर्स की 40 इलेक्ट्रिक एसी बसों के अलावा 100 और इलेक्ट्रिक एसी सिटी बसें चलेंगी। नगरीय परिवहन निदेशालय इन इलेक्ट्रिक सिटी बसों को अनुबंध पर संचालित करेगा, जिसके लिए निजी ऑपरेटरों का चयन करने की कार्रवाई चल रही है। अगले महीने नवंबर में इलेक्ट्रिक सिटी बस संचालित करने वाले निजी ऑपरेटरों का चयन हो जाएगा।

निदेशालय के संयुक्त निदेशक अजीत सिंह के मुताबिक टाटा मोटर्स से 40 इलेक्ट्रिक सिटी बसें लगभग 34.28 करोड़ रुपये की खरीदी गई हैं। यात्रियों की जरूरत को देखते हुए निदेशालय ने 100 इलेक्ट्रिक सिटी बसें संचालित करने की तैयारी की है। इन बसों का संचालन करने वाले निजी ऑपरेटरों का 16 नवंबर तक चयन हो जाएगा। इस सिलसिले में लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज कंपनी को आदेश दिए गए हैं कि वह अनुबंध पर चलने वाली सिटी बसों के रूट को तय करके निदेशालय को अवगत कराए। निजी ऑपरेटर इन बसों को जल्द से जल्द बेड़े में शामिल करेंगे।

दो माह में हटेंगी खटारा बसें : लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज कंपनी के प्रबंध निदेशक आरिफ सकलेन ने बताया कि दो महीने के भीतर रूट से खटारा बसें हट जाएंगी। अक्तूबर के अंतिम हफ्ते से टाटा मोटर्स की 40 इलेक्ट्रिक सिटी बसों के बेड़े में आने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। इन बसों का रूट पहले ही तय हो चुका है। टाटा की वर्कशाप में इन बसों का निर्माण चल रहा है। इस बस का ट्रायल 15 से 18 अक्टूबर के बीच होगा।

नगरीय परिवहन निदेशालय नवंबर में करेगा निजी ऑपरेटर से अनुबंध

नई बसों का ब्योरा

100	40
अनुबंधित	खरीदी

200 किमी चलेगी एक बस

नगरीय परिवहन निदेशालय की शर्त यह, कि अनुबंधित इलेक्ट्रिक सिटी बस एक दिन में औसतन 200 किमी चलेंगी। इसलिए निजी ऑपरेटर को हिदायत दी गई अनुबंध करने से पहले सुनिश्चित कर लेगा कि जो अनुबंधित इलेक्ट्रिक बस चलाई जाएगी, उसको 200 किमी चलना होगा।

शासन ने मांगी बस फुंकने की रिपोर्ट

एलडीए कॉलोनी के पराग चौराहे पर बीते शनिवार को सिटी बस फुंकने के मामले में शासन ने रिपोर्ट मांगी है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि बस में आग लगने के कारण एवं दोनो डिपो की खस्ताहाल बसों सहित रिपोर्ट तैयार करके सोमवार शाम को भेज दी गई।

बहुमंजि...

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में बन रही इमार... मल्टीप्लेक्स व टॉवरों का आपदा सु... ऑडिट होगा। इससे सामने आने ... खामियों को दूर कराने का प्रयास ... जाएगा। राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण ... उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (से... आरपी शाही ने सोमवार को ये बातें ... प्राधिकरण में अंतरराष्ट्रीय ... न्यूनीकरण दिवस के मौके पर ... अक्तूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम के ... में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने ... जानकारी दी।

शाही ने कहा किसी आपदा के ... जान-माल के नुकसान से बचने ... भवन निर्माण के समय दिए जाने ... आपदा सुरक्षा मानकों का कड़ाई से ... किया जाना चाहिए। उनके संज्ञान ... जा रहा है कि तमाम स्थानों पर ... पालन नहीं हो रहा। शाही ने कहा, ... प्रबंध प्राधिकरण के पास किसी ... के निर्माण की अनुमति के समय ... सुरक्षा मानकों पर अमल कराने ... है। इसमें सभी सरकारी, गैर ... व्यावसायिक व निजी भवन शा... प्राधिकरण भवन निर्माण मानकों ...

अतिक्र... का वि... ने किय...

नादान महल रोड से अतिक्रमण ह...

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम और पु... संयुक्त टीम ने सोमवार को नादा... रोड पर अतिक्रमण विरोधी ... चलाया। इसका भारी विरोध हुआ, ... बाद पुलिस को लाठीचार्ज कर... इसमें कई दुकानदारों को चोटें ...

धरना-प्रदर्शन से वीवीआईपी इलाकों में यातायात ठप

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। विधान भवन के सामने सोमवार दोपहर पुरानी पेंशन बहाली की मांग कर रहे कर्मचारियों के धरना-प्रदर्शन और सड़क जाम से राजधानी के वीवीआईपी इलाकों की यातायात व्यवस्था

विधान भवन के सामने दोपहर में